इस्पात विकास निधि

5148. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में इस्पात उत्पादन में वृद्धि के लिए विभिन्न इस्पात उत्पादक इकाइयों पर इस्पात विकास निधि के रूप में एक कर लगाया है;

(ख) यदि हां, तो यह कर कब से लगाया गया है और इसके माध्यम से मार्च, 1994 तक कुल कितनी धनराशि वसूल की गयी है;

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान उत्पादन पर इस कर की वसूली के लिए कितनी धन-राशि निर्धारित की गई है और वह किस दर पर वसूली की जाएगी; और

(घ) सरकार द्वारा इस धनराशि का उप-योग किस प्रकार किए जाने की संभावना है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) सरकार ने आधुनिकीकरण और विकास के लिए निधियन योजनाओं और परियोजनाओं हेतु इस्पात विकास निधि के लिए इस्पात के मुख्य उत्पादकों सामत: स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लि. (सेल), इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (इस्को), टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि. (टिस्को) और तदनुपरान्त राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर. आई. एन. एल.) में विभिन्न इस्पात उत्पादों के कारखाना--द्वार मूल्य में "तत्व" शामिल करने के लिए संयुक्त संयंत्र समिति (जे. पी. सी.) को प्राधिकृत किया है ।

(ख) और (ग) लेवी जून, 1978 से लगाई गई थी और इसकी दर समय-समय पर संशोधित की गई । लेवी को समाप्त करने से तत्काल पूर्व इस्पात की विभिन्न श्रेणियों पर यह लेवी 350 रुपए से लेकर 500 रुपए प्रति टन की दर पर वसूली जाती थी ।

जून, 1978 से मार्च, 1993 तक इस लेवी के माध्यम से वसूली गई कुल राशि 4,135 करोड़ रुपए थी । वर्ष 1993-94 के दौरान इस लेवी के माध्यम से 374 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई ।

(घ) इस्पात विकास निधि का उपयोग मुख्य रूप से आधुनिकीकरण, विविधीकरण के लिए योजनाओं, परियोजनाओं के निधियम और पूंजीगत व्यय तथा लोहे और इस्पात के उत्पादन की प्रौद्योगिकी और दक्षता में सुधार करने के लिए इस्पात के उत्पादकों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए किया गया है ।

Awards organised by NMDC

5149. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether Governtnent's attention has been drawn to the news-item captioned "Award Business" published in the 'Ecoao-mic Times', Bombay on the 24th March, 1994;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether CMD of the NMDC Ltd. has been orgatiising such awards; and